SALTOC Project
Title: Viśva Hindī patrikā
Imprint: Fôresṭa Sāiḍa, Môrīśasa : Viśva Hindī Sacivālaya
Imprint: Forest Side, Mauritius : World Hindi Secretariat
OCLC: 944344779
Volume 2013
TOC Supplied by: Harvard University

विश्व हिंदी पत्रिका

2013

प्रधान संपादक

गंगाधरसिंह गुलशन सुखलाल

विश्व हिंदी सचिवालय
स्विफ्ट लेन, फॉरेस्ट साइड
मॉरीशस

World Hindi Secretariat
Swift Lane, Forest Side
Mauritius

E-mail : info@vishwahindi.com
Website : www.vishwahindi.com
Phone : 00-230-6761196 • Fax : 00-230-6761224

अनुक्रम

श्रद्धांजलि

1.	गौतम सचदेव की संवेदनशीलता और साहित्य मेरी नज़र में	ललित मोहन जोशी	3
2.	द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन के मेरे अनुभव	आर.एस. मैकग्रेगर	7
3.	भानुमती नागदान का साहित्य : एक अवलोकन	श्रीमती रत्ना सुखलाल	10

वैश्विक हिंदी : क्षेत्र व आयाम

4.	फीजी का सृजनात्मक हिंदी साहित्य	डॉ. विमलेश कांति वर्मा	17
5.	जापानी और हिंदी : अनुवाद का उद्देश्य	तोमोको किकुचि	26
6.	फ्रांस नगरी (पांडिचेरी) में हिंदी	डॉ. अनीता गांगुली	30
7.	जापान में हिंदी-शिक्षण : बदलता परिप्रेक्ष्य	हरजेंद्र चौधरी	33
8.	हिंदी के दैनंदिन प्रयोग का महत्व एवं चेक गणराज्य में हिंदी का शिक्षण	स्वेतिस्लव खोस्तिच	36
9.	विदेश में हिंदी अध्यापन : कुछ स्मृतियाँ	विजया सती	40
10.	बेलारूसी हिंदी-प्रेमी सुश्री आलेसिआ माकोव्स्काया से आत्माराम शर्मा की बातचीत	आत्माराम शर्मा	43
11.	हिंदी-प्रेमी डॉ. हाईंत्स वर्नर वेसलर से आत्माराम शर्मा की बातचीत	आत्माराम शर्मा	46
12.	हिंदी की वैश्विकता में फ्रेडरिक पिंकॉट का योगदान	डॉ. कृष्ण कुमार	50
13.	अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी	हितेश कुमार शर्मा	56
14.	हिंदी का बढ़ता अंतरराष्ट्रीय वर्चस्व और उससे संबंधित समस्याएँ	प्रो. हरिराज सिंह 'नूर'	60
15.	हिंदी में मानकीकरण की आवश्यकता	डॉ. श्याम नारायण शुक्ल	63

16. हिंदी में विज्ञान--लेखन की प्रगति एवं उसका स्वरूप — डॉ. राकेश कुमार दूबे — 66
17. हिंदी तो बढ़ती ही चली जा रही है, पर उसके पैरों में जंजीरें पड़ी हैं — श्रवणकुमार गोस्वामी — 70
18. बारहवीं सदी में प्रशासन की भाषा थी हिंदी — उमेश चतुर्वेदी — 75
19. हिंदी भाषा के संबंध में कुछ विचार — प्रो. महावीर सरन जैन — 78

हिंदी और सूचना-संचार प्रौद्योगिकी

चुनौती तो आगे है···

20. सूचना प्रौद्योगिकी में नागरी लिपि — अतिथि संपादक की ओर से — 82
21. तकनीकी दुनिया में हिंदी को सक्षम बनाया यूनिकोड ने — डॉ. ओम विकास — 83
22. हिंदी भाषा शिक्षण में मल्टीमीडिया की भूमिका — भूपेंद्र कुमार — 89
23. सूचना प्रौद्योगिकी और कोशकारिता··· — प्रो. कृष्ण कुमार गोस्वामी — 92

मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि : भाषा

24. हिंदी के वैश्विक परिदृश्य के निर्माण में इंटरनेट की भूमिका — अरविंद कुमार — 97
25. हिंदी के विकास में संचार माध्यमों का योगदान — स्नेहसुधा — 103
26. हिंदी वेब साहित्य—हर विमर्श की झलक है हिंदी वेब साहित्य में — शिखा द्विवेदी — 108
27. मानकीकरण की शाश्वत समस्या और नए दौर की चुनौतियाँ — डॉ. सुनीलकुमार लवटे — 112
— बालेंदु शर्मा दाधीच — 118

मॉरीशसीय हिंदी साहित्य शताब्दी (1913-2013)

मॉरीशसीय हिंदी साहित्य की शताब्दी

28. मॉरीशसीय गद्य—पहली शताब्दी — *126*
29. मॉरीशसीय पद्य—पहली शताब्दी — श्री रामदेव धुरंधर — 127
30. 'दुर्गा' हस्तलिखित पत्रिका एवं मॉरीशस का प्रारंभिक हिंदी साहित्य — श्री राज हीरामन — 130
31. मॉरीशसीय हिंदी साहित्य का अनुवाद, प्रक्रिया एवं समस्याएँ — श्री धनराज शंभु — 139
32. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : अंतर्संघर्ष एवं मुक्ति का आह्वान — डॉ. राजरानी गोबिन — 144
33. मॉरीशस में हिंदी पत्रिका का उद्‌भव और विकास — डॉ. संयुक्ता भुवन रामसारा — 149
34. मधुकर की काव्य--कला का स्वरूप-भाषा और छंद — धरमवीर गंगू — 152
— डॉ. लालदेव अंचाराज — 154

हिंदी के विविध आयाम : कुछ विचार-बिंदु

35. क्यों पिछड़ी और कैसे हाइटेक होगी हिंदी? — तुषार बनर्जी — 161
36. 'लिवे देबते' क्या होता है? मामला लिप्यंतरण का — योगेंद्र जोशी — 163
37. 'अंतरराष्ट्रीय' और 'अंतर्राष्ट्रीय' — सुयश सुप्रभ — 165
38. हिंदी का संकोच...और अंग्रेज़ी के संकेत! — श्री ललित कुमार — 166

अंतरराष्ट्रीय हिंदी कहानी प्रतियोगिता 2012 के विजेताओं की कहानियाँ प्रस्तुत हैं।

39. ब्रेकिंग न्यूज़ — श्री रवींद्र कात्यायन — 171
40. ऊपर वाला कमरा — सुश्री भावना हरिशरण — 178
41. अटेंशन—एक व्यंग्य कथा — विजय कुमार सप्पत्ति — 180

-: निवेदन :-

विश्व हिंदी पत्रिका में प्रकाशित लेखों के विचार लेखकों के अपने हैं। विश्व हिंदी सचिवालय और संपादक मंडल का उनके विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।